AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : सीपीएमटी भवन में होंगे सभी प्रमुख कार्यालय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने वसभी प्रमुख कार्यालय गेट नंबर-1 पर स्थापित करने का फैसला किया है। कुलपति ने सीपीएमटी भवन में ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण, चीफ प्रोवोस्ट, डेलीगेसी, एडमिशन, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एडवाइजर, डिग्री माइग्रेशन तथा छात्र सहायता केंद्र के कार्यालय स्थापित करने का निर्देश दिया है। कुलपति के अनुसार विद्यार्थियों को हर काम के लिए अलग-अलग भवन के चक्कर न काटना पड़े इसके लिए यह व्यवस्था की जा रही है।

मनोविज्ञान विभाग के प्रैक्टिकल 23 फरवरी को : लखनऊ। लखनऊ विवि में मनोविज्ञान में वार्षिक प्रणाली आधारित स्नातक इंप्रूवमेंट बैक पेपर के प्रैक्टिकल 23 फरवरी को होंगे। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान ने दी। इस दिन सभी विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल होंगे। ये प्रैक्टिकल विवि के साथ ही सहयुक्त कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए हैं।

लविवि के 16 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के 16 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि रैप्स आईटेक कंपनी में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के पांच छात्रों, सिविल के चार छात्रों, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तीन छात्रों, मेकेनिकल के दो छात्रों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और एमसीए के एक-एक छात्र का चयन ग्रेजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर 3.16 लाख तक के सालाना पैकेज पर किया गया है।

NBT PAGE 4

एलयू में 16 तो शकुंतला विवि में दो का प्लेसमेंट

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंजिनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 16 स्टूडेंट्स को नौकरी का ऑफर मिला है। प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि रैप्स आई टेक कंपनी मे इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड कम्युनिकेशन इंजिनियरिंग के पांच, सिविल के चार, कंप्यूटर साइंस के तीन, मिकेनिकल के दो और इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग व एमसीए के एक-एक छात्र को ग्रैजुएट ट्रेनी इंजिनियर के लिए चुना है। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक इंजिनियरिंग संकाय के 89 छात्रों का प्लेसमेंट हो चुका है। वहीं, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) विभाग में सौम्या अग्रवाल और एकता अवस्थी का प्लेसमेंट हुआ है।

एलयू: आज भी खुला रहेगा छात्रवृत्ति अनुभाग

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू ने शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति को लेकर आ रही तमाम दिक्कतों को देखते हुए विद्यार्थियों को रविवार तक का मौका दिया है। रविवार को भी छात्रवृत्रि अनुभाग खोला जा रहा है। ऐसे में शैक्षिक सत्र 2020-21 में छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करने वाले जिन विद्यार्थियों का डेटा वेबसाइट पर संदेहास्पद प्रदर्शित हो रहा है, वह संदेहास्पद डेटा का प्रिंटआउट और संबंधित दस्तावेजों के साथ रविवार को सीपीएमटी बिल्डिंग में जमा कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 10

छात्रवृत्ति के आवेदकों को एक और मौका

एलयू

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करने वाले जिन छात्रों के आवेदन संदेहास्पद मिले थे उन्हें एलयू ने एक और मौका दिया है। ऐसे छात्रों को दस्तावेज दाखिल करने का अवसर दिया है। इसके लिए रविवार को एलयू का छात्रवृत्ति अनुभाग खोला गया है।

आवेदन करने वाले तमाम छात्रों के आवेदन पत्रों में गड़बड़ी मिलने पर संदेहास्पद श्रेणी में रखा गया। कुछ छात्रों ने आपत्ति उठाई थी और आवेदन सही होने की जानकारी दी थी। जिसके बाद विवि ने ऐसे छात्रों को दस्तावेज दाखिल करने का समय दिया है। छात्र सीपीएमटी बिल्डिंग में जमा कर सकते हैं।

साइकॉलजी प्रैक्टिकल बैक पेपर 23 को: यूजी की साइकॉलजी प्रैक्टिकल बैक पेपर परीक्षा 23 फरवरी को एलयू के साइकॉलजी विभाग में होगी। प्रैक्टिकल परीक्षा स्नातक के फर्स्ट इयर, सेकंड इयर तथा थर्ड इयर के छात्रों की होगी। संबद्ध कॉलेजों के प्रैक्टिकल इसी दिन होंगे।

इंजीनियरिंग के 16 छात्रों को प्लेसमेंट

एलयू के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से कैंपस ड्राइव में 16 छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि रैप्स आईटेक कंपनी में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के पांच छात्रों, सिविल इंजीनियरिंग के चार छात्रों, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तीन छात्रों, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दो छात्रों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं एमसीए के एक एक छात्र का चयन ग्रेजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर हुआ है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि के 16 छात्रों को मिला कैम्पस प्लेसमेंट

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में 16 छात्रों को कैम्पस प्लेसमेंट मिला है।इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि एक इलेक्ट्रॉनिक कंपनी में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के पांच छात्रों, सिविल इंजीनियरिंग के चार छात्रों, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तीन छात्रों, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दो छात्रों तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं एमसीए के एक-एक छात्र का चयन ग्रैजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर अधिकतम 3.16 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। उन्होंने बताया कि अब तक इंजीनियरिंग संकाय के 89 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हो चुका है।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि में परामर्श का किया गया विस्तार

लखनऊ।लविविा में कंसल्टेंसी सर्विस परामर्श का शनिवार को विस्तार किया गया है। यह विस्तार परामर्श के निदेशक के संस्तुति पर किया है। इसमें दो एडिशनल डायरेक्टर, नौ सदस्य और दो छात्र प्रतिनिधि के रूप में जोड़ा गया है। दो एडिशनल डायरेक्टर में बायोकैमेस्ट्री विभाग के डॉ. समीर शर्मा व इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन के डॉ. मनोज कुमार जैन नियुक्त हुए। सदस्य के रूप में कामर्स विभाग की डॉ. गीतिका टी कपूर, फीजिक्स विभाग के डॉ. आरबी सिंह, एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमनटीज विभाग के डॉ. रणविजय प्रताप सिंह, बिजनेस एडमिस्ट्रेशन विभाग के डॉ. निशांत कुमार, कैमेस्ट्री विभाग के डॉ. जॉय सरकार, इकोनॉमिक्स विभाग के डॉ. संजीव कुमार, स्टैटिक्स विभाग की अनुपमा सिंह, लॉ फैकल्टी के डॉ. आशीष श्रीवास्तव और कम्प्यूटर साइंस विभाग के डॉ. पुनीत मिश्र है। छात्र प्रतिनिधि में बिजनेस एडमिस्ट्रेशन विभाग के सोनल तिवारी और फीजिक्स विभाग के सिदरा खातून को शामिल किया गया है।

बीएड दाखिले के लिए रिकार्ड आवेदन आने की संभावना

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा शैक्षिक सत्र 2021-23 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। यह प्रक्रिया 18 फरवरी की शाम से शुरू हुयी और मात्र 24 घंटें में 18265 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण करा लिया है।

इतने पंजीकरण को देखते हुए लविवि फूले नहीं समा रहा है। शासन की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय को संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कराने की जिम्मेदारी मिली हुयी है। विश्वविद्यालय को छठवीं बार बीएड कराने की जिम्मेदारी मिली हुयी। विश्वविद्यालय में पिछली बार भी जो आवेदन आये थे, उसमें पूरी सीटें तो नहीं भर पायी लेकिन आवेदन भरपूर मात्रा में आया था। ऐसे में शुरूआत के पंजीकरण को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन काफी उत्साहित है। रिकार्ड आवेदन आने के पीछे तर्क यह है कि इस समय भी कोरोना काल और नये स्ट्रेन को देखते हुए अभिभावक डरे हुए है और इसके कारण अब भी वे अपने बच्चों को घरों से दूर भेजने से कतरा रहे है। इधर, शासन की ओर से लगातार शिक्षक की भर्ती निकल रही है और लोगों को इसमें भविष्य में रोजगार की बेहतर संभावनायें भी अब दिख रही है। ऐसे में बीएड को लेकर एक बार फिर सभी का ध्यान आकर्षित कर रही है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि निश्चित रूप से अभी कोरोना का खतरा पूरी तरह से टला नहीं है और पहले दिन में रिकार्ड पंजीकरण होने से बेहतर आवेदन आने की संभावना बढ़ गयी है। इधर, शासन की ओर से भी शिक्षकों की भर्ती पर ध्यान दिया जा रहा है।

- पहले दिन 18 हजार से अधिक आये आवेदन

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू इंजीनियरिंग संकाय के 16 छात्रों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 16 छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट मिला। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि रैप्स आई टेक कंपनी मे इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 5 सिविल इंजीनियरिंग के 4 कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के 3 मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 2 इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं एमसीए के एक-एक छात्र का चयन ग्रैजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर अधिकतम 3.16 लाख प्रतिवर्ष पैकेज पर चयन हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक इंजीनियरिंग संकाय के 89 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हो चुका है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं इंजीनियरिंग संकाय के इंचार्ज प्रोफेसर आरएसगुप्ता ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी।

TOI PAGE 3

Awareness drive at LU on legal actions in sexual offences

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Whom to report if you face sexual offence, how to report child abuse and what legal action can be taken in case of an adolescent sexual misdemeanor, awareness about all these issues and more such situations will be spread by Lucknow University's engineering faculty under the ongoing 'Mission Shakti' campaign on the campus on Sunday and Monday.

A play will be staged, discussion and poster-making competition will also be organized to spread awareness and support teenagers against adolescent sexual offence and child sexual abuse.

"We have planned events in a manner that they appeal to the youths and they connect with us to know and understand all about adolescence and child sexual abuse," said Mission Shakti coordinator Prof Sheela Mishra.

The first event will be held on Sunday. It will be a discussion on the episode of popular TV show 'Satyamev Jayate' in which the issue has been highlighted, and it will be followed by a discussion, she added.

"We opted for discussion based on a TV show as we know that youths connect better with the television world. Also, renowned psychologist Anandana Trivedi will deliver a lecture on women and culture," Mishra added.

On Monday, a play on legal and empathetic support against harassment will be staged on the campus by MCA first-year students, followed by a poster-making competition on sexual harassment and adolescence.

> **We have planned events in a manner that they appeal to the youths and they connect with us to know and understand all about adolescence and child sexual abuse**
>
> **PROF SHEELA MISHRA**
> Mission Shakti coordinator

छात्रवृत्ति के लिए दस्तावेज सुधारने का मौका आज

लविवि के सीपीएमटी बिल्डिंग के बाहर छात्रवृत्ति फार्म में त्रुटिया दूर करने के लिए छात्र-छात्राओं की लगी रही भीड़ ● जागरण

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 400 से ज्यादा छात्र-छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन फार्म में दिए गए डेटा को समाज कल्याण विभाग ने संदिग्ध बताया है। इसके लिए विभाग ने विश्वविद्यालय के माध्यम से ऐसे सभी छात्र-छात्राओं से त्रुटि से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। छात्रहित में विश्वविद्यालय प्रशासन ने 21 फरवरी को रविवार होने पर भी सीपीएमटी बिल्डिंग में प्रपत्र जमा करने का मौका दिया है।

समाज कल्याण विभाग ने दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति सत्र 2020-21 के लिए 15 जनवरी तक आनलाइन आवेदन मांगे थे। तिथि बीतने के बाद अब विभाग ने 400 से ज्यादा छात्र-छात्राओं के डेटा को संदेहास्पद श्रेणी में डाल दिया है। किसी छात्र की पंजीकरण संख्या तो किसी का हाईस्कूल रोल नंबर और रिजल्ट के अंक नहीं मिलान कर रहे। शनिवार को त्रुटि की जानकारी लेने और आवेदन पत्र जमा करने के लिए सीपीएमटी भवन के बाहर खड़े छात्रों की भीड़ लगी रही। छात्रों ने बताया कि आवेदन में सभी ब्योरा भरा है। फिर भी संदिग्ध की श्रेणी में आवेदन फार्म डाल दिया गया। इसी वजह से पुनः साक्ष्य के रूप में सभी दस्तावेज लगा कर जमा करना पड़ रहा है।

> कई छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्र का डेटा संदेहास्पद श्रेणी में प्रदर्शित हो रहा है। इसलिए छात्रों से कहा गया है कि प्रिंटआउट के साथ त्रुटि से संबंधित दस्तावेज संलग्न करके रविवार को जमा कर दें।
>
> - डा. विनोद कुमार सिंह, कुलसचिव, लविवि

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि ने पूछा, पीएचडी में ईडब्ल्यूएस कोटा देने का फार्मूला

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षिक सत्र 2020-21 के पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की तैयारी में है, लेकिन उसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटे को लेकर पेच फंस रहा है। विश्वविद्यालय ने विरोध के बाद पिछली बार के दाखिले में कुछ सीटों में कोटा तय कर दिया था। इस बार पहले ही कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को पत्र लिखकर पूछ लिया है कि तय सीटों में ईडब्ल्यूएस कोटा कैसे निर्धारित किया जाए।

लविवि ने 2019-20 में करीब 450 सीटों पर पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया पूरी की थी। यह सभी दाखिले 2018 पीएचडी आर्डिनेंस के अनुसार हुए थे। अब आर्डिनेंस को रिवाइज्ड करते हुए कई कई नई चीजें जोड़ी गई हैं।

10 फीसद तय है कोटा : कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पीएचडी के लिए सभी विभागों में प्रोफेसर के लिए आठ, एसोसिएट प्रोफेसर के लिए छह और असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चार सीटें तय होती हैं। इनमें हर साल पीएचडी दाखिले से पहले ब्योरा लिया जाता है, जबकि शासन का निर्देश है कि 10 फीसद ईडब्ल्यूएस कोटा दिया जाए, लेकिन शिक्षकों के लिए पीएचडी की सीटें बढ़ाई नहीं जा सकतीं। ऐसे में किस आधार पर इस कोटे का लाभ देना है, यूजीसी को पत्र भेजकर मार्गदर्शन मांगा है। वहां से आदेश आते ही उस पर विचार किया जाएगा।

23 फरवरी तक देना है विभागों को ब्योरा: डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया शुरू करने से पहले विभागों से सीटों का ब्योरा मांगा है। इसी आधार पर विषयवार सीटों के सापेक्ष आवेदन पत्र मांगे जाएंगे।

सीपीएमटी बिल्डिंग में बैठेंगे डीन और को-ऑर्डिनेटर

लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अपनी समस्याएं दूर करने के लिए इधर-उधर दौड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए सीपीएमटी भवन स्थित बिल्डिंग में ही डीन एडमिशन, एडमिशन को-आर्डिनेटर, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को-आर्डिनेटर और चीफ प्रवोस्ट बैठेंगे। शनिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सीपीएमटी भवन का निरीक्षण भी किया। यहां एडमिशन कार्यालय को विस्तार दिया जाएगा। साथ ही डीएसडब्ल्यू तीसरे तल की जगह प्रथम तल पर बैठेंगी।

HINDUSTAN TIMES PAGE 1 & 4

NEP-2020 AT LU: UG COURSES MAY BE OF 4 YEARS

LUCKNOW : The Lucknow University undergraduate (UG) courses may soon become of four years with the implementation of the New Education Police (NEP)-2020, university officials said. Lucknow University has become the first university in the state to announce a change in syllabus as per NEP-2020. The new education policy passed by the central government is set to be implemented in the university and colleges across the state this year as per the directions of the state government. The university has already announced implementation of syllabi in all graduate courses as per NEP-2020. It first announced to implement it in postgraduate courses and discussions are on to implement it in UG courses too. →p3

UG courses may be of 4 yrs, students can shift from one course to another

LUCKNOW : The Lucknow University (LU) undergraduate (UG) courses may soon become of four years with the implementation of the New Education Police (NEP)-2020, LU officials said.

Lucknow University has become the first university in the state to announce a change in syllabus as per NEP-2020. The new education policy passed by the central government is set to be implemented in the university and colleges across the state this year as per the directions of the state government.

The university has already announced implementation of syllabi in all graduate courses as per NEP-2020. It first announced to implement it in postgraduate courses and discussions are on to implement it in UG courses too.

"The framework for implementation of the NEP-2020 is being discussed by the academic council of the university. The implementation process will be done in accordance with the directives of the academic council," said Durgesh Srivastav, spokesman, Lucknow University.

Though the duration of the UG course may increase by a year, experts believe that it will not put extra burden on students. In fact, it could be helpful. As per plan, the syllabus will be reduced of UG courses and the students will be allowed to leave the course in between and rejoin it later.

According to the NEP-2020, a student will be given a diploma on completion of two years of a course. If three years are completed a degree will be rewarded while a research degree will be given on completing a four-year UG course.

Further, a student who completes four years in UG course will be eligible for admission in the second year of postgraduate course of the same subject. HTC